TITLE: Request to establish Budh Connection Centre.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) : सभापति महोदय, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने एक अत्यंत लोक महत्व के प्रश्न को इस सदन में उठाने की अनुज्ञा दी है ।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि आज पूरी दुनिया में जिस तरह से प्रधान मंत्री जी कहते हैं कि दुनिया ने युद्ध दिया, चाहे यूक्रेन-रूस का हो, लेकिन हमने पूरी दुनिया को गौतम बुद्ध दिया । आज वह बुद्ध दुनिया में शांति, अहिंसा, ममता, करुणा का संदेश बन चुके हैं । सौभाग्य से बुद्ध का जन्म स्थान सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु में है और कुशीनगर निर्वाण स्थली है । उन्होंने बोधगया के बाद पहली बार सारनाथ में पांच बौद्ध भिक्षुओं को दीक्षा दी । अत्यंत महत्वपूर्ण सारनाथ, कुशीनगर, कपिलवस्तु, श्रावस्ती, जहां पर सहेत-महेत रहे, की तरफ ध्यान आकृष्ट करते हुए मैं आपसे कहना चाहता हूं कि उस बुद्धिस्ट सर्किट के कपिलवस्तु में, जहां गौतम बुद्ध पैदा हुए और बाल्यकाल में 29 वर्ष तक गौतम बुद्ध सिद्धार्थ के रूप में वहां रहे, उसके दूसरी तरफ लुम्बिनी है, जो नेपाल के लिए गौतम बुद्ध से जुड़ा हुआ एक स्थान है । आज स्वाभाविक है कि लुम्बिनी के हजारों पर्यटक या सारनाथ के पर्यटक कुशीनगर से होते हुए कपिलवस्तु आ रहे हैं ।

वहां उत्तर प्रदेश सरकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एक बड़ा विपश्यना केन्द्र बना रही है । काफी जमीन अधिग्रहण करके कई देशों के लोगों को मेडिटेशन सेंटर या अपना मोनेस्ट्री बनाने के लिए दे रही है । अभी लुम्बिनी में प्रधान मंत्री जी ने एक बुद्ध कन्वेंशन सेंटर दिया है, जो निश्चित तौर से बौद्ध धर्म और भारत-नेपाल की मैत्री का प्रतीक भी है ।

मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूं कि जहां पूरी दुनिया के मानने वाले लाखों लोग आते हैं, जहां जापान, थाईलैण्ड, सिंगापुर, इण्डोनेशिया, मलेशिया, चाइना इन सब देशों के लोग आते हैं, उनके लिए वहां पर एक बुद्ध कन्वेंशन सेंटर भारत सरकार के द्वारा हो, जिससे वहां पर आने वाले लोग विपश्यना और मेडिटेशन कर सकें, बौद्ध भिक्षु विहार बन सकें । उसका विकास हो रहा है । आज उसमें आवश्यकता है कि हमारे लुम्बिनी और कपिलवस्तु दोनों में बुद्ध के आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए बौद्ध सम्मेलन हो । हमारी बौद्ध सम्मेलन एसोसिएशन है या बुद्धिस्ट टूर है, इनके सारे महोत्सव व सारी चीजें आयोजित हो सकें । मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं ।